SET-4

Series BVM

कोड नं.
Code No. **39**

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

Candidates must write the Code on the title page of the answer-book.

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **5** प्रश्न हैं ।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।
- Please check that this question paper contains **15** printed pages.
- Code number given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
- Please check that this question paper contains **5** questions.
- **Please write down the Serial Number of the question before attempting it.**
- 15 minute time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

भारत की ज्ञान परंपराएँ और पद्धतियाँ

KNOWLEDGE TRADITIONS AND PRACTICES OF INDIA

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 70*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 70*

निर्देश : ***सभी*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

Instructions : *Attempt* ***all*** *questions.*

खण्ड क
(पठन कौशल)

SECTION A
(Reading Skills)

1. (क) निम्नलिखित अनुच्छेदों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2×5=10*

बौद्ध विचारों से प्रेरित मौर्य शिल्पकला साँची के स्तूप सारनाथ के एकाश्मीय वेदिका (रेलिंग) और बोधगया के स्तंभों से व्यक्त होती है । शुंग शिल्पकला ने पत्थर की वेदिकाओं (रेलिंग) और स्तूपों के परिसरों के मुख्य प्रवेश द्वार को सजावट प्रदान की । इन स्मारकों के उदाहरण हैं – साँची (भोपाल के निकट), भरहुत (मध्य प्रदेश), और कृष्णा नदी पर अमरावती के स्तूप । भरहुत में प्रवेश द्वार प्राचीन भारतीय शहरों के लकड़ी के कर्न फाटकों की पत्थर पर अनुकृतियाँ हैं । वेदिकाओं के अलंकरण में सर्वाधिक प्रमुख है यक्ष और यक्षियाँ (अलौकिक प्राणी) ।

साँची का महान स्तूप, जिसकी आधारशिला मूलत: अशोक ने रखी थी, उसे आँध्र वंश के संरक्षण में विस्तार दिया गया । कुषाणों के अंतर्गत शिल्पकला में गहरी काली स्तरित चट्टानों पर उभार वाली चित्रित बेलें, यूनानी वस्त्र विन्यास में शास्त्रीय मुद्राओं के अंकन निर्मित हुए । इसमें हाथीदाँत और आयातित काँच का उपयोग भी हुआ । गांधार के स्तूप में साँची और भरहुत के प्रारंभिक स्तूपों का क्रमिक विकास स्पष्ट है ।

गुप्तकाल में गुफा मंदिरों और एकाश्मीय स्थलों की परंपरा ईंट और पत्थर के मन्दिर निर्माण के रूप में विकसित हुई । इसके दो कारण थे । एक कारण था, गुफा मंदिर के शिल्पी और मूर्तिकार केवल वहीं गुफा मंदिर बना सकते थे जहाँ विशाल पत्थर या पर्वत उपलब्ध हों, जबकि ढाँचे वाला पत्थर का मंदिर किसी भी स्थान पर बनाया जा सकता था जहाँ ईंटों को बनाया जा सके या पत्थरों को ढोकर लाया जा सके । दूसरा कारण था, मंदिर निर्माण में शिल्पकला और मूर्तिकला में नवीनता लाने या प्रयोग करने की अधिक संभावना थी ।

(i) मूल रूप में स्तूप किसके बने होते थे ?

(ii) कुषाण कालीन शिल्पकला की विशेषताओं की सूची बनाइए ।

(iii) मौर्य शिल्पकला के उदाहरण दीजिए ।

(iv) एकाश्मीय मंदिर निर्माण पत्थर के मंदिर निर्माण में क्यों बदल गया ?

(v) शुंग कालीन शिल्पकला के स्तूप मौर्य शिल्पकला के स्तूपों से किस रूप में भिन्न थे ?

(ख) निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $2\times5=10$

भारत में भाषा अध्ययन

भाषा के अध्ययन की आवश्यकता ऋग्वेद जैसे प्राचीन ग्रंथों के ज्ञान को समझने की आवश्यकता से उत्पन्न हुई । ये ग्रंथ हजारों वर्षों से मौखिक परंपरा से ही गुरु से शिष्य को सौंपे जा रहे थे । यद्यपि भारत के पास एक ध्वनि वैज्ञानिक लिपि थी, फिर भी ज्ञान को मौखिक रूप में संचित और संचारित किया जा रहा था । छह शास्त्रों का विकास जिन्हें वेदांग कहा गया है, ग्रंथ पाठों के उच्चारण और अर्थ के लिए हुआ, ये हैं : शिक्षा, निरुक्त, व्याकरण, छंद, कल्प और ज्योतिष । इन छह शास्त्रों में से प्रथम चार भाषा से संबंधित हैं – ध्वनि, शब्द और रूप, व्युत्पत्ति और छंदशास्त्र । यह चारों भाग आधुनिक भाषाविज्ञान के अंग हैं ।

भाषा के तीन लक्षण है :

(1) यह मूलत: वाणी है । भाषा के लिए प्रयुक्त हमारे शब्दों पर ध्यान दीजिए : भाषा, वाक्, वाणी, बोली, आदि । सब मानते हैं कि भाषा वाणी ही है (लिपि गौण है क्योंकि यह वाणी का अंकन है) ।

(2) यह विचार का साधन है – भाषा के बिना चिंतन नहीं हो सकता ।

(3) यह हम सबके लिए वस्तु, अनुभव, भावनाएँ और विचारों का निर्माण उन्हें नाम देकर करती है । इनके द्वारा हम उन वस्तुओं के बारे में भी जानते हैं जो भौतिक रूप से विद्यमान नहीं हैं । कोई व्यक्ति 'गाय' शब्द कहता है तो हम अपने मन में एक विशेष पशु का चित्र देखते हैं और इसके बारे में विस्तार से बता सकते हैं ।

(i) ग्रंथों/पाठों का उच्चारण करने के लिए विकसित की गई सूची बनाइए ।

(ii) भाषा के लक्षण क्या हैं ?

(iii) भाषा के अध्ययन की आवश्यकता क्यों पड़ी ?

(iv) भाषा के लिए प्रारंभिक शब्द क्या हैं ? ये क्या सिद्ध करते हैं ?

(v) भाषा के कौन-से प्राचीन शास्त्र आधुनिक भाषाविज्ञान के अंग हैं ?

(a) Read the passage given below and answer the questions that follow :

Mauryan architecture, which is inspired by Buddhist thought, is illustrated by the stūpas at Sanchi, the monolithic rail at Sarnath and the pillars of Bodh Gaya. Śuṅga architecture added decorations of stone vedikas (railings) and gateways surrounding the stūpa. Examples of these monuments are the stūpas at Sanchi (near Bhopal), Bharhut (Madhya Pradesh), and Amaravati on the Krishna River. At Bharhut the gateways are imitations in stone of the wooden portals of early Indian towns. Most prominent in the embellishment of the vedikas are the carvings of Yakṣas and Yakaṣīs (supernatural beings).

The great stūpa at Sanchi, whose foundation was originally laid by Aśoka, was enlarged under the patronage of the Andhra Dynasty. Architecture under the Kuṣāṇas produced relief friezes carved in dark schist and portrayed figures in classical poses with flowing Hellenistic draperies; it also made use of ivory and imported glass. The stūpa in Gandhara marks the gradual elaboration of the primitive types known at Sanchi and Bharhut.

In the Gupta age, the tradition of excavating cave temples and monolithic shrines evolved into the construction of brick and stone temples. This was due to two reasons. One reason was that while the architects and sculptors could create a cave temple only where boulders or hills were available, a structural stone temple could be created at any chosen site by baking bricks or quarrying and transporting stones. Secondly, there was more scope for architectural and sculptural innovation and experimentation while constructing a temple.

(i) What were stūpas made up of originally ?

(ii) List the characteristics of Kuṣāṇa architecture.

(iii) Give the examples of Mauryan architecture.

(iv) What led to evolution of monolithic shrines into the construction of stone temples ?

(v) How were stūpas in Sunga architecture different from the ones in Mauryan architecture ?

(b) Read the passage given below and answer the questions that follow :

Study of Language in India

The study of language arose from the need to understand the knowledge texts such as the Ṛgveda. These texts have been transmitted orally from teacher to disciples for millennia. Though India had a scientific phonetic script, still knowledge was stored and transmitted orally. Six disciplines known as vedāṅgas developed to articulate and interpret texts : śikṣā (phonetics), nirukta (etymology), vyākaraṇa (grammar), chanda (prosody), kalpa (ritualistic performances) and jyotiṣa (astronomy). Out of these six disciplines, the first four pertain to language, its sounds, words and forms, etymology and metre. These four are today part of modern linguistics.

Three features of language are :

(1) It is primarily speech. Consider our words for language : bhāṣā, vāk, vāṇī, bolī, etc. All assert that language is speech (writing is secondary as it represents speech).

(2) It is the means of thought — thinking is not possible without language.

(3) It constructs for each of us things, experiences, emotions and ideas by naming them. With these we know things that are not present physically. Someone utters the word 'cow' and we see in our mind the picture of a particular animal and can describe it at length.

(i) List the disciplines developed to articulate and interpret texts.

(ii) What are the features of language ?

(iii) Why was there a need to study language ?

(iv) What are the primary words for language ? What does it prove ?

(v) Which old disciplines of language are part of modern linguistics today ?

खण्ड ख
(विश्लेषणात्मक कौशल)
SECTION B
(Analytical Skills)

2. निम्नलिखित अनुच्छेदों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *10*

(क) **अध्यापक और विद्यार्थी**

भारतीय संस्कृति में अध्यापक और छात्रों में एक खास तरह का संबंध पाया जाता है था । अध्यापक, *गुरु* या *आचार्य* को अत्यधिक सम्मान दिया जाता है और उसे ऐसा मार्गदर्शक माना जाता था जो शिष्य को अज्ञान के अंधकार से मुक्त होकर ज्ञान का प्रकाश प्राप्त करने में सहायता करता था । अध्यापक का घर ही *आचार्यकुल* या *गुरुकुल* का केन्द्र होता था । गुरु और शिष्य में विशेष सहजीवी संबंध होता था और विद्यार्थियों को गुरु के परिवार के सदस्यों के रूप में माना जाता था ।

गुरु के साथ रहने वाले शिष्य आत्म-नियंत्रण, संयम, अनुसरण और समर्पण का जीवन जीते थे और *यम* (आत्म-संयम) तथा *नियम* (पाँच संस्कार), अर्थात् *शौच* – शरीर, मन और विचार की पवित्रता; *संतोष* – सकारात्मक सोच; *तप* – कठोर साधना; *स्वाध्याय* – स्वयं अध्ययन करना, आत्मनिरीक्षण; तथा *ईश्वरप्रणिधान* – ईश्वर के प्रति विश्वास और समर्पण से अपने जीवन को नियमित करते थे ।

(ख) **अध्यापक के प्रति सम्मान**

जब गुरु, अथवा शिक्षक विद्यालय में प्रवेश करता है, तो वह सदा अधिकतम आदर और सम्मान प्राप्त करता है । उसके विद्यार्थियों को उसके समक्ष भूमि पर पूरा लेट जाना चाहिए; अपना दाहिना हाथ मुँह पर रख लेना चाहिए, और तब तक एक भी शब्द नहीं बोलना चाहिए जब तक वह उन्हें बोलने की अनुमति न दे । जो गुरु के मना करने पर भी बात

करते हों या बड़बड़ाते रहते हों उन्हें विद्यालय से बाहर कर दिया जाता, क्योंकि जो लड़के अपनी बोलचाल में नियंत्रण न रख सकें, वे बाद में दर्शनशास्त्र की पढ़ाई के लिए अयोग्य माने जाते हैं । इन उपायों से गुरु को सदा वह सम्मान प्राप्त होता है जो उसे मिलना चाहिए : विद्यार्थी आज्ञाकारी होते हैं और सावधानीपूर्वक मन में बिठाए गए नियमों के विरुद्ध आचरण कभी नहीं करते ।

(i) प्राचीन भारत में गुरु-शिष्य के संबंधों की तुलना आधुनिक समय से कीजिए । आप किसे अच्छा मानते हैं और क्यों ? *3+3=6*

(ii) 'सहजीवी संबंध' का क्या तात्पर्य है ? यह विद्यार्थियों के लिए किस प्रकार सहायक होता था ? *4*

Read the passages given below and answer the questions that follow :

(a) **The Teacher and the Student**

A given teacher-student relationship obtained in Indian culture. The teacher, the *guru,* the *ācārya,* was highly honoured and was seen as the guide who helped students escape the darkness of ignorance and attain the light of knowledge. The teacher's house was the centre of the *ācāryakula,* the *gurukula*. The student and the teacher had a symbiotic relationship and students were treated as members of the teacher's family.

Students living with the teacher led a life of self-control, abstinence, obedience and devotion and regulated their lives by adhering to *yama*

(self-restraint) and *niyama* (five observances), that is, *śauca* – purity of body, mind, thought; *santoṣa* – positive contentment; *tapas* – austerity; *svādhyāya* – self-study, introspection; and *īśvarapraṇidhāna* – faith in and surrender to the Gods.

(b) **Respect for the Teacher**

When the Guru, or teacher, enters the school, he is always received with the utmost reverence and respect. His pupils must throw themselves down at full length before him; place their right hand on their mouth, and not venture to speak a single word until he gives them express permission. Those who talk and prate contrary to the prohibition of their master are expelled from the school, as boys who cannot restrain their tongue, and who are consequently unfit for the study of philosophy. By these means the preceptor always receives that respect which is due to him : the pupils are obedient, and seldom offend against rules which are so carefully inculcated.

(i) Compare and contrast the relations between teacher and taught in ancient India with that of the modern times. Which one do you think is better and why ?

(ii) What is meant by 'symbiotic relationship' ? How was it helpful to students ?

3. निम्नलिखित दो दीर्घ-उत्तरीय प्रश्नों में से ***किसी एक*** का उत्तर दीजिए : *15×1=15*

(i) "केवल अपने सत्कर्मों या *धर्म* का पालन करने से ही कोई व्यक्ति उच्चतम कल्याण के लिए महानतम मार्ग प्राप्त कर सकता है ।" सर्वोच्च कल्याण को प्राप्त करने के लिए आपका मार्ग क्या होगा ? समकालीन भारत के संदर्भ में टिप्पणी कीजिए ।

(ii) शिक्षा के बारे में भारतीय विचार केवल बुद्धि पर केंद्रित नहीं था : इसका लक्ष्य विद्यार्थी का भीतरी और बाहरी विकास करना था और वह उन्हें जीवन के उतार-चढ़ाव का सामना करने के लिए तैयार करना भी था । इस कथन पर टिप्पणी कीजिए और समकालीन शिक्षा प्रणाली से इसकी तुलना कीजिए ।

Attempt ***any one*** out of the two long-answer type questions :

(i) "It is only by performing one's righteous duties or *dharma* that one can hope to attain the supreme path to the highest good." What would be your path to attain the highest good ? Comment in the wake of contemporary India.

(ii) The Indian concept of education was not focused on the intellect alone : it focused on the students' inner as well as outer development and prepared them to face the vicissitudes of life. Comment on this statement and compare it with contemporary education system.

खण्ड ग : चिंतन कौशल

SECTION C : Thinking Skills

4. निम्नलिखित छह लघु-उत्तरीय प्रश्नों में से ***किन्हीं पाँच*** के उत्तर दीजिए : *3×5=15*

(i) पाराशर और वारहमिहिर के द्वारा वर्षा की भविष्यवाणी करने की तकनीकें किस पर आधारित थीं ?

(ii) एक मस्जिद की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए ।

(iii) *वर्ण व्यवस्था* में निहित आधारभूत उद्देश्य क्या थे ?

(iv) भारत में निर्मित वस्त्रों पर एक टिप्पणी लिखिए ।

(v) कलरिपयट्टु की परिभाषा दीजिए और इसके भेदों की सूची बनाइए ।

(vi) 'व्यापार' से आप क्या समझते हैं ? व्यापार में दो प्रमुख मध्यस्थों के नाम लिखिए ।

Attempt ***any five*** out of the six short-answer type questions :

(i) What were the techniques developed by Parāśara's and Varāhamihira to predict rainfall based on ?

(ii) Outline the salient features of a mosque.

(iii) What was the primary objective underlying the *varṇa vyavasthā* ?

(iv) Write a note on fabrics produced in India.

(v) Define kaḷarippayattu and list its types.

(vi) What do you understand by 'trade' ? Name two major intermediaries in trade.

5. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए चार विकल्प दिए गए हैं । सबसे उपयुक्त उत्तर को चुनकर उसे अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए । *1×10=10*

(i) गुलाब का इत्र एक लोकप्रिय सुगंध है, जिसकी खोज का श्रेय _________ की माँ को दिया जाता है ।

(क) नूर जहाँ

(ख) बीरबल

(ग) टीपू सुल्तान

(घ) जहाँगीर

(ii) नीला रंग प्राप्त करने का स्रोत प्रायः _________ है ।

(क) मजीठ

(ख) नील

(ग) आम का छिलका

(घ) बाँस

(iii) चालुक्य राजा सोमेश्वरवेद (1127 ई.) ने मछली पालने की विधियों का वर्णन किया तथा ____________ प्रकार की मछलियों को सूचीबद्ध किया है ।

(क) 44

(ख) 16

(ग) 34

(घ) 10

(iv) भारत-आर्य भाषाएँ मुख्य रूप से ____________ में बोली जाती हैं ।

(क) दक्षिणी भारत

(ख) यूरोपीय देशों

(ग) उत्तरी भारत

(घ) अफगानिस्तान

(v) __________ ने जयपुर के निकट जयगढ़ किला अथवा 'विजय दुर्ग' बनवाया था ।

(क) टीपू सुल्तान

(ख) राजा मान सिंह

(ग) सवाई जय सिंह

(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(vi) पहाड़ी चित्रशैली के महत्त्वपूर्ण केन्द्र बसोली, जम्मू, गुलेर और _________ थे ।

(क) लदाख

(ख) लेह

(ग) काँगड़ा

(घ) शिमला

(vii) *आश्रम व्यवस्था* के सोपानों का सही क्रम चुनिए ।

(क) ब्रह्मचर्य, वानप्रस्थ, गृहस्थ, सन्यास

(ख) ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, सन्यास, वानप्रस्थ

(ग) वानप्रस्थ, गृहस्थ, सन्यास, मोक्ष

(घ) ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ, सन्यास

(viii)_________ में धनुर्विद्या के नियम दिए गए हैं ।

(क) *आयुर्वेद*

(ख) *धनुर्वेद*

(ग) *मल्लपुराण*

(घ) *अथर्ववेद*

(ix) नालंदा के पुस्तकालय 'धर्मगंज' में तीन बहुमंजिले भवन थे जिनके नाम थे,

(क) स्थिरमति, शीलभद्र तथा शांतरक्षित

(ख) 'रत्नसागर', 'रत्नरंजक' तथा 'रत्नोदधि'

(ग) नाट्यगृह, निर्वाण तथा रसराज

(घ) रत्नकोश, गिरिकूट तथा ग्रंथालय

(x) यजुर्वेद में उल्लेख है कि सरोवर में मछलियों को _________ पकड़ा जाता था ।

(क) जाल डाल कर

(ख) मछली पकड़ कर

(ग) शामकों के प्रयोग से

(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

For each of the following questions, four alternative answers are given. Select the most appropriate answer and write it down in your answer-sheet.

(i) The āttar of roses was a popular perfume, the discovery of which is attributed to the mother of _________.

(a) Nur Jehan

(b) Birbal

(c) Tipu Sultan

(d) Jehangir

(ii) The source of blue dye is usually _________.

(a) Madder

(b) Indigo

(c) Mango bark

(d) Bamboo

(iii) The Chalukya king Someśvardeva (1127 CE) described methods of culturing fish and listed _________ kinds of fishes.

(a) 44

(b) 16

(c) 34

(d) 10

(iv) Indo-Aryan languages are spoken mainly in ________.

(a) Southern India

(b) European countries

(c) Northern India

(d) Afghanistan

(v) Jaigarh Fort or 'Victory Fort' was constructed near Jaipur by _______.

(a) Tipu Sultan

(b) Raja Man Singh

(c) Sawai Jai Singh

(d) None of the above

(vi) The important centres of the Pahari school of painting were Basholi, Jammu, Guler and ________.

(a) Ladakh

(b) Leh

(c) Kangra

(d) Shimla

(vii) Choose the correct sequence of the stages of *āśrama vyavasthā*.

(a) Brahmacarya, Vanaprastha, Gṛhastha, Saṁnyāsa

(b) Brahmacarya, Gṛhastha, Saṁnyāsa, Vanaprastha

(c) Vanaprastha, Gṛhastha, Saṁnyāsa, Moksha

(d) Brahmacarya, Gṛhastha, Vanaprastha, Saṁnyāsa

(viii) The ________ enumerates the rules of archery.

(a) *Ayurveda*

(b) *Dhanurveda*

(c) *Mallapurāṇa*

(d) *Atharvaveda*

(ix) Nālandā's library 'Dharmagañja' had three multi-storey buildings namely,

(a) Sthiramati, Śīlabhadra and Śāntarakṣita

(b) 'Ratnasāgara', 'Ratnarañjaka' and 'Ratnodadhi'

(c) Nātyagriha, Nirvāna and Rasarāja

(d) Ratnakosha, Girikuta and Granthālaya

(x) Yajurveda mentions capturing fish by ________ in a pond.

(a) laying net

(b) fishing

(c) sedating them

(d) None of the above